चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

फसल सलाह : नींबू वर्गीय बागवानी फसलें (मार्च–अप्रैल, 2026)

कीट : नींबू का सिल्ला

A+
NAEAB – ICAR Accredited

किसान भाइयों निम्बू वर्गीय बागवानी फसलों में निम्बू, किन्नू, संतरा, माल्टा, मौसमी आदि फलदार पौधे आते हैं । अभी तापमान में बदलाव के कारण इन फसलों पर निम्बू का सिल्ला नामक कीट का प्रकोप आ रहा है क्योंकि यह कीट तापमान में बढ़ोतरी होते ही मार्च– अप्रैल में ज्यादा सक्रिय हो जाता है ।

पहचान : इस कीट के शिशु गोल, चपटे व नारंगी पीले रंग के तथा प्रौढ़ भूरे रंग के होते हैं । यह कीट मार्च–जून व अगस्त–सितम्बर में अधिक हानि पहुँचाता है। वर्ष भर में इसकी 8–10 पीढ़ियां होती हैं। माल्टा एवं मीठे नींबू पर इस का प्रकोप अधिक होता है। इसके शिशु 10 से 35 दिनों में विकसित होकर प्रौढ़, बन जाते हैं । इसके प्रौढ़ पत्तों व टहनियों पर अपने शरीर के पिछले हिस्से को ऊपर उठाकर बैठते हैं । अगर बिल्कुल नई कोपलें मुड़ी हुई दिखाई देती हैं तो यह इस कीट के होने को दर्शाती हैं । यह कीट पत्तों की निचली सतह पर ज्यादा बैठते हैं ।

नुकसान : यह बहुत ही नुकसानदायक कीट है । इस कीट के शिशु व प्रौढ़ पौधों की कोंपलों व टहनियों पर एकत्रित रहते हुए रस चूसते है । जिस कारण नई कोंपले मुड़ जाती हैं और फूल झड़ने लगते हैं । यह कीट अपने शरीर से चिकनाई युक्त सफेद रंग का पदार्थ छोड़ते रहते है जो पौधों के पत्तों पर जमा हो जाता है । कुछ दिनों बाद यह सफेद पदार्थ काले धब्बों (फफूंद) की परत में बदल जाते हैं । जिससे पौधें अपना भोजन पर्याप्त ढंग से नहीं बना पाते जिसके परिणाम स्वरूप पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है । इस कीट के प्रकोप से टहनियां आगे के भाग से सुखना शुरु होकर पीछे की तरफ सुखती जाती है और पूरा पौधा धीरे–धीरे सुखने लगता है ।

बचाव के तरीके /सिफारिशें : नींबू का सिल्ला के प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए 2 **लीटर निम्बीसिडीन 300 पीपीएम या 40 ग्राम थायमिथोक्साम 25 प्रतिशत डब्ल्यू जी.** को 400 लीटर पानी या **240 मि.ली. सायन्ट्रानिलिप्रोल 10.26 प्रतिशत ओ.डी**. या **स्पिरोटेट्रामैट 15.31 प्रतिशत ओ.डी.** को 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें । यह कीटनाशक न केवल कीटों को मारने में मदद करता है, बल्कि किसानों को फसल की सुरक्षा के साथ–साथ उत्पादन में सुधार करने में भी आर्थिक रूप से लाभकारी है। कीटनाशकों का उपयोग कीट का प्रकोप दिखाई देने पर ही करें ।

सावधानियाँ

- अगर हमारे पौधों पर लेडीबर्ड भृंग (लाल – काली चीतियों वाले) नामक मित्र कीट दिखाई पड़ते है और उनकी संख्या अधिक है तो नीम आधारित कीटनाशकों का उपयोग ही करना चाहिए ।

- ज्यादा बारिश आने पर इस कीट का नियंत्रण स्वयं हो जाता है । ऐसी अवस्था में कीटनाशकों के उपयोग की जरुरत नहीं रहती । इसलिए जिस सप्ताह में स्प्रे करना है उस सप्ताह की मौसम की जानकारी अवश्य लें ।
- उपरोक्त समाधान अपनाने से अन्य रसचूसक कीट व पत्ती सुरंग कीट (लीफ माइनर) जैसे दूसरे कीटों का नियंत्रण भी हो जाता है ।

(उपरोक्त सिफारिशें केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति व चौ.च.सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा दी गई हैं)

अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें
9729300525, 8708960883, 8930930874

अनुसंधान निदेशालय
कीट विज्ञान विभाग
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

नींबू का सिल्ला (शिशु व प्रौढ़)

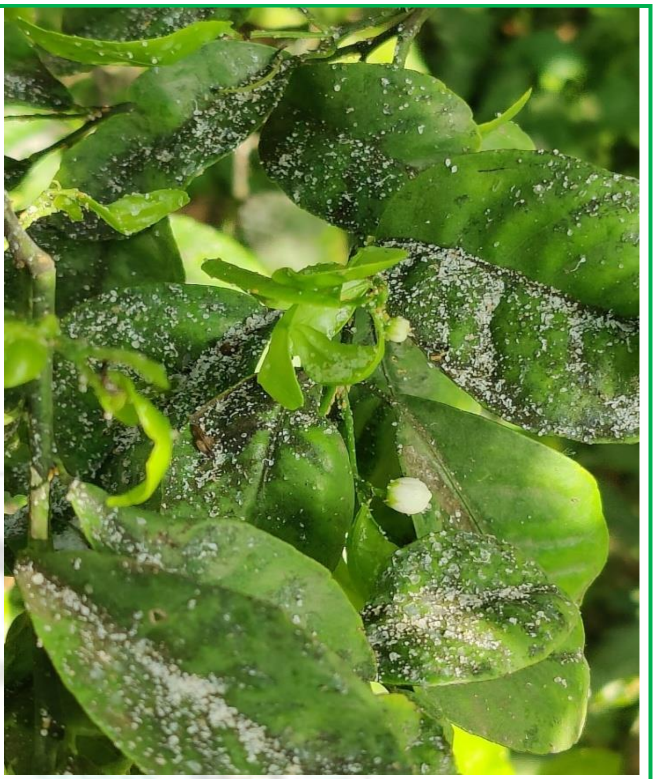

पतों पर सफेद रंग का चिपचिपा पदार्थ

नींबू का सिल्ला (शिशु)

नींबू का सिल्ला को खाते हुए मित्र कीट
लेडीबर्ड भृंग